हरिभूमि
रायगढ़-जशपुर भूमि
बिलासपुर, मंगलवार 10 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 31 डिग्री
न्यूनतम 16.0 डिग्री

महिला सशक्तिकरण का संदेश देने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रैली

INTERVIEW
अतिशीघ्र आवश्यकता है
11,12,13 March 2026
समय : सुबह 11 से शाम 5 बजे तक
5 पद - ड्राइवर पुरुष
2 पद - कंप्यूटर ऑपरेटर महिला पुरुष
30 पद - सिक्योरिटी गार्ड महिला
30 पद - सिक्योरिटी गार्ड पुरुष
30 पद - फूड पैकिंग कंपनी के लिए महिला एवं पुरुष
वेतनमान अनुभव के आधार पर
योग्यता-10वीं पास, 22 उम्र से 35 वर्ष सभी पदों के लिए
फायर सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट कैंपस
इंदिरा गांधी स्कूल, भिलाई, जिला-दुर्ग छत्तीसगढ़-490023

चैरिटी के सचिव और अन्य लोगों ने सीएस के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पॉलिटेक्निक के लिए 1955 में हुआ था ट्रस्ट के साथ अनुबंध, नहीं बदला जा सकता कॉलेज का नाम

अब इतिहास के पन्नों में ढूंढना पड़ेगा देश के सबसे प्राचीनतम किरोड़ीमल पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम

सेठ किरोड़ीमल विधिक शिल्प कला मन्दिर का उद्घाटन

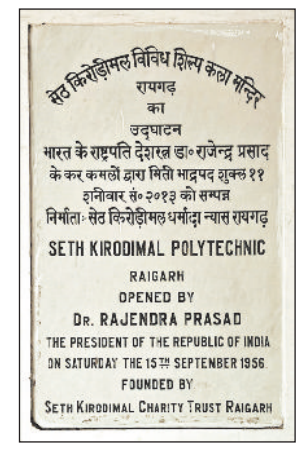

मिती भाद्रपद शुक्ल 11 शनिवार सं. 2013 को इसका उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया था। इसमें भी उल्लेख है निर्माता - सेठ किरोड़ीमल धर्मादा न्यास रायगढ़ । उस वक्त जो अनुबंध हुआ था इसमें इसका भी उल्लेख होने की बात कही जा रही है। राष्ट्रपति द्वारा 15 सितंबर 1956 को किया गया था। उसे समय शिलालेख में सेठ किरोड़ीमल विविध शिल्प कला मंदिर का उद्घाटन लिखा गया था।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

पॉलिटेक्निक कॉलेज नामकरण को लेकर जो खबर सामने आई है उसे लेकर अब चर्चा गर्म हो गई। 1955 में पॉलिटेक्निक के लिए ट्रस्ट के साथ एक अनुबंध हुआ था। इसमें सदैव के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम सेठ किरोड़ीमल पॉलिटेक्निक रहेगा। सोमवार को ट्रस्ट के सचिव समेत शहरवासियों ने सीएस के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। इसके साथ अनुबंध की कॉपी भी दी गई है। इस टीम ने पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य से भी मुलाकात किया है। उनको भी दस्तावेज सौंपा गया है।

सोमवार को हरिभूमि ने पॉलिटेक्निक कॉलेज के नाम बदलने को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया था। इसके बाद ट्रस्ट के सचिव समेत शहरवासियों ने पुराना दस्तावेज निकाला है और उसे कलेक्टर को सौंपते हुए नामकरण को लेकर आपत्ति जताई है। दरअसल इस पूरे मामले का जड़ पॉलिटेक्निक कॉलेज के नाम बदलकर छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी करने को लेकर है। खास बात यह है कि जो अनुबंध ट्रस्ट के साथ हुआ है उसमें एक कंडिका में स्पष्ट उल्लेख है कि सदैव के लिए सेठ किरोड़ीमल नाम ही रहेगा। इस दस्तावेज के सामने आने के बाद से एक बारगी शहर के आबोहवा में इसे लेकर चर्चा छिड़ गई है। दूसरी ओर पूर्व छात्रों और शहरवासियों के बाद सेठ किरोड़ीमल चैरिटी ट्रस्ट ने भी इसे लेकर मोर्चा खोल दिया है। ट्रस्ट ने 1955 के उस सरकारी अनुबंध का पन्ना खोल दिया है, जिसमें साफ लिखा था कि 20 लाख रुपए के इस दान से बने संस्थान का नाम सदैव सेठ किरोड़ीमल के नाम पर ही रहेगा। ऐसे में अब इस मामले को लेकर आगे और भी पेंच फंसने की बात कही जा रही है। इसे लेकर ट्रस्ट के सचिव राजेश भारद्वाज ने छग शासन के मुख्य सचिव और रायगढ़ कलेक्टर के नाम आपत्ति पत्र सौंपा है। मुख्य सचिव और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपने के दौरान सेठ किरोड़ीमल ट्रस्ट सचिव राजेश भारद्वाज, अनिल चीकू, राघवेन्द्र व्यास, एन कांतिकीरण पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचकर प्राचार्य डॉ. मोहन हरि सोनी से भी मुलाकात की और अपना विरोध दर्ज कराया है।

ऐसा हुआ था अनुबंध

ज्ञापन में एक बेहद चौंकाने वाला और अहम तथ्य सामने रखा गया है। ट्रस्ट ने बताया कि रायगढ़ में तकनीकी शिक्षा के इस संस्थान की स्थापना के लिए 8 अक्टूबर 1955 को तत्कालीन मध्यप्रदेश शासन के प्रतिनिधि एस.एन. लिमये के साथ बाकायदा एक अनुबंध किया गया था। इस अनुबंध के अनुसार, संस्थान के निर्माण का संपूर्ण खर्च 20 लाख सेठ किरोड़ीमल चैरिटी ट्रस्ट द्वारा उठाया गया था। इसका उल्लेख अनुबंध के बिंदु-06 में है। इसमें यह स्पष्ट और लिखित शर्त थी कि उक्त संस्थान का नाम सेठ किरोड़ीमल के नाम पर सदैव रहेगा। ऐसे में बिना ट्रस्ट को भरोसे में लिए और बिना किसी जनचर्चा के रातों-रात बोर्ड बदलकर छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कर देना, सीधे तौर पर उस समझौते का उल्लंघन है।

आवास, मनरेगा और कौशल योजनाओं से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

रायगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से महिलाएं अब आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत कुल 9,679 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 2,076 आवास सीधे तौर पर महिलाओं के नाम पर स्वीकृत किए गए हैं, जिससे उन्हें अपने घर का मालिकाना हक मिला है। यह पहल महिलाओं को न केवल सामाजिक सम्मान दिला रही है, बल्कि उन्हें सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया आधार भी प्रदान कर रही है। इसी प्रकार विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए संचालित पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत 173 आवासों में से 85 आवास महिलाओं के नाम पर स्वीकृत किए गए हैं। इससे इन वर्गों की महिलाओं को भी सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिल रहा है। मनरेगा योजना के अंतर्गत जिले में आजीविका को बढ़ावा देने के लिए 428 आजीविका डबरी स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 55 डबरी का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़। चक्रधरनगर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी विशाल सिंह ठाकुर उर्फ बाबू पिता रणधीर सिंह 27 निवासी रेल्वे कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी थाना कोतवाली क्षेत्र का गुंडा बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। बीते 8 मार्च को नाबालिग बालिका द्वारा चक्रधरनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उसने बताया कि 5 मार्च की शाम वह अपने परिचित के घर घूमने गई थी, जहां उसकी मुलाकात विशाल ठाकुर उर्फ बाबू से हुई। उसी दिन आरोपी बालिका के कॉलोनी पहुंचा और उसे मोटरसाइकिल में बैठाकर जबरदस्ती ईला मॉल के पीछे अपने दोस्त के कमरे में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने 7 मार्च की शाम केवड़ाबाड़ी के पास बालिका को घटना किसी को न बताने की धमकी देकर छोड़ दिया। पीड़िता द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पर महिला निरीक्षक कमला पुसाम ठाकुर ने अपराध पंजीबद्ध कर विस्तृत बयान लिया गया। थाना प्रभारी चक्रधरनगर को आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लिया गया। अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। धारा 351,3,64,2, एम 127 बीएनएस, 06 पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

जेल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

रायगढ़। जिला जेल के महिला प्रकोष्ठ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला बंदियों को उनके अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नेहा यति मिश्रा तथा प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ताजेश्वनी देवी देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने महिला बंदियों को संबोधित करते हुए महिलाओं के अधिकारए

एक साथ 8 जगहों पर पुलिस की दबिश 50 लाख का 134 टन कबाड़ जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

पूंजीपथरा पुलिस को अवैध कबाड़ परिवहन और एक स्थान पर मैग्नीज मेटल गोली डंप करने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने रविवार को 8 अलग- अलग स्थानों पर दबिश देकर करीब 50 लाख का 134 टन कबाड़ जब्त किया है। साथ ही मिनी राइस मिल से मैग्नीज मेटल और पाईलेट गोली भी बरामद किया गया है। यह कबाड़ 6 ट्रक और 1 माजदा वाहन में लोड था। साथ ही मिनी राइस मिल पूंजीपथरा के पास डंप कर रखे 2 टन मैग्नीज मेटल और पाईलेट गोली लोहे को भी जब्त किया गया है। जब्त कबाड़ की कीमत करीब 50 लाख 75 हजार आंकी गई है। जबकि वाहनों की कीमत लगभग 65 लाख बताई गई है। ऐसे में पुलिस द्वारा 1 करोड़ 15 लाख संपत्ति जब्त करने की बात कही जा रही है। वाहन चालकों से कबाड़ के वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन किसी के पास कोई कागज ही नहीं था। इसमें चोरी के एंगल, छड़, मशीनरी पाट्र्स समेत अन्य लोहे के कबाड़ लोड था। 7 आरोपियों के खिलाफ पूंजीपथरा पुलिस ने धारा 35(क) (ड), 303(2) के तहत कार्रवाई की गई है। संदेहियों द्वारा क्रय-विक्रय संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। ऐंसे में चोरी का माल होने के संदेह में उक्त सामग्री को विधिवत जब्त किया गया। आरोपी प्रियंक देवांगन उर्फ मिनी पिता चंद्रिका प्रसाद देवांगन 43 के विरुद्ध पूंजीपथरा पुलिस में धारा 35 (क) (ड) बीएनएस 303 (2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में ओड़िशा, बिहार और छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के वाहन चालकों से लोहे के कबाड़ी सामान से लोड ट्रक एवं माजदा वाहन जब्त किया गया है। जिसमें बड़ी मात्रा में स्क्रैप परिवहन किया जा रहा था।

41 टन लोहे का एंगल चोरी कर फरार आरोपी गिरफ्तार

ट्रेलर सहित 41 टन लोहे का एंगल लेकर फरार हुए हेल्पर को रायगढ़ और सक्ती पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा गया है। पुलिस ने चोरी गए ट्रेलर और उसमें लोड लोहे का एंगल समेत करीब 60 लाख की संपत्ति बरामद कर ली है। 7 मार्च को कोतरारोड पुलिस में ट्रेलर चालक धरमराज जाट पिता रामनारायण जाट 29 निवासी ताजपुरा जाट मोहल्ला तहसील सरवार थाना सरवार जिला अजमेर राजस्थान द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह ट्रेलर क्रमांक आरजे 48 जीए 3147 चलाता है और करीब 8-9 दिन से उसके साथ एक परिचित किशोर बालक 17 वर्ष हेल्पर के रूप में काम कर रहा था। 5 मार्च को वह हेल्पर के साथ जेएसपीएल रायगढ़ गया था, जहां ट्रेलर में करीब 41 टन लोहे का एंगल कीमत लगभग 20 लाखरुपए लोड कराया गया। 07 मार्च की शाम को ट्रेलर को जिंदल गेट के बाहर मुख्य मार्ग किनारे खड़ा किया गया था। उस समय हेल्पर वाहन के अंदर बैठा था और ट्रेलर में चाबी लगी हुई थी। ड्राइवर जब कागजात जांच कराने कार्यालय के अंदर गया और लगभग एक घंटे बाद वापस लौटा तो देखा कि जहां ट्रेलर वहां मौजूद नहीं था। हेल्पर को फोन लगाने पर उसका मोबाइल बंद मिला। आशंका जताई कि ट्रेलर क्रमांक आरजे 48 जेए 3147 कीमत लगभग 40 लाख रुपए तथा उसमें लोड लोहे का एंगल कीमत लगभग 20 लाख रुपए सहित कुल 60 लाख रुपए की संपत्ति चोरी कर ली गई है। रिपोर्ट पर थाना कोतरारोड़ में धारा 303, 2 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। थाना प्रभारी कमला पुसाम ठाकुर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और आरोपित को अभिरक्षा में लिया गया तथा ट्रेलर को मय लोहे का एंगल जब्त करते हुए 60 लाख रुपए की संपत्ति बरामद की कार्रवाई की गई।

ग्रामीणों ने की प्लांट संचालक की शिकायत

रायगढ़। शिवपुरी के ग्रामीणों ने गांव में संचालित एक निजी औद्योगिक के खिलाफ पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक नाले से अवैध जल दोहन की शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि कंपनी द्वारा गांव के समीप स्थित प्राकृतिक जिंदा नाला से बड़ी पंप मोटर के माध्यम से बिना वैध अनुमति के निरंतर पानी का दोहन कर औद्योगिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे नाले का जलस्तर लगातार घट रहा है। ग्रामीणों के अनुसार यह नाला गांव के दैनिक उपयोग का प्रमुख जल स्रोत है। साथ ही कंपनी द्वारा दूषित जल और औद्योगिक अपशिष्ट खुले स्थान पर छोड़ा जा रहा है। इससे पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति भी निर्मित हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम ने अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिया है। इसी तरह जनदर्शन में ग्राम दर्रामुड़ा के टोपराम पटेल ने बताया कि उनके पुत्र की आकस्मिक मृत्यु के पश्चात प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत क्लेम राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था, लेकिन संबंधित बैंक द्वारा आज तक उन्हें भुगतान नहीं किया गया है, जबकि उनके पुत्र की मृत्यु के समय बीमा कवर सक्रिय था। लीड बैंक मैनेजर को प्रकरण की जांच कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के भवनों के जीर्णोद्धार हेतु वित्तमंत्री ओपी की पहल से मिली स्वीकृति

रायगढ़। वित्त मंत्री विधायक रायगढ़ ओपी चौधरी की पहल से रायगढ़ विधान सभा में मौजूद स्कूलों के रंग रोगन मरम्मत की बहुप्रतीक्षित मांग पर वित्तीय स्वीकृति मिली है।

ग्रामीणों क्षेत्र में मौजूद भवनों के रंग रोगन मरम्मत सहित किचन शेड एवं सांस्कृतिक शेड,विभिन्न कार्यों हेतु रायगढ़ विधान सभा के वार्ड क्र. 41स्थित प्राथ. शाला सहदेवपाली हेतु 3.70 लाख, शा.मा.शा. राजीवनगर हेतु 4.00 लाख रुपए, शा.प्रा.शा.ठेंगामुड़ी हेतु 3.70 लाख रुपए,शा.प्रा.शा. कोतासुरा हेतु 3.70 लाख रूपये पुसौर के पड़िगांव स्थित शा.क.प्रा.शाला पड़िगांव हेतु 3.70 लाख रुपए,पुसौर के लोहरसिंग से स्थित शा.प्रा.शा. लोहरसिंह हेतु 3.70 लाख रूपये, पुसौर के शा.प्रा.शा.तडोला हेतु 3.70 लाख रुपए, पुसौर के कर्राजोर हेतु 3.70 लाख रूपये, शा.प्रा.शा.सारसमाल हेतु 3.70 लाख रुपए, पुसौर कर्राजोर के शा.प्रा.शा. जामपाली हेतु 3.70 लाख रुपए,पुसौर के गढ़उमरिया स्थित शा.मा.शा. बोदाटिकरा हेतु 3.70 लाख रुपए, पुसौर दर्रामुड़ा स्थित शा.प्रा.शा. धरमपुर हेतु 3.70 लाख रुपए,पुसौर एकताल स्थित शा.प्रा.शा.एकताल हेतु 3.70 लाख रुपए,पुसौर दर्रामुमुड़ा स्थित शा.प्रा.शा.गुड़गहन हेतु 3.00 लाख रूपये,पुसौर दर्रा मुड़ा स्थित शा.मा.शा.गुड़गहन हेतु 3.00 लाख रुपए,पुसौर डुमरमुडा स्थित शा.मा.शा. डूमरमुड़ा हेतु 3.00 लाख रुपए,पुसौर स्थित गोतमा के शा.प्रा.शा. केशापाली हेतु 3.00 लाख रुपए,पुसौर महलोई स्थित शा.मा.शा. महलोई हेतु 3.00 लाख रुपए,पुसौर छातामुड़ा स्थित शा.पू.मा.शा. सराईभद्दर हेतु 6.90 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। ओपी चौधरी की पहल से सरकारी स्कूलों के पुराने भवनों के रंग-रोगन और जीर्णोद्धार के लिए वित्तीय स्वीकृति से सुरक्षा और स्वच्छता में गुणात्मक सुधार होगा। जिसके छात्रों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस वित्तीय स्वीकृति से बहुत से नई सुविधाएं कि बिजली कनेक्शन, शौचालय, और कक्षा कक्ष जोड़े जाएंगे। रंग-रोगन और जीर्णोद्धार से स्कूलों का वातावरण सुधरता है, जिससे छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ती है।

खबर संक्षेप

अपर कलेक्टर सुनी आमजन की समस्याएं

जशपुरनगर। अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू ने जिला कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याएँ एवं मांगों की जानकारी ली। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे उन्हें अपनी समस्या के समाधान की स्थिति स्पष्ट रूप से ज्ञात हो सके। उन्होंने जनसुविधाओं से जुड़े प्रकरणों पर संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्रवाई करने पर जोर दिया। आज आयोजित जनदर्शन में कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से राजस्व प्रकरण, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, अधोसंरचना निर्माण, आजीविका उन्नयन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने संबंधित आवेदन शामिल थे।

प्रभावित परिजन हेतु 4 लाख की राशि स्वीकृत

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आरबीसी 6-4 के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। बागबहार तहसील अंतर्गत ग्राम कुकुरभुका निवासी स्व.प्रताप राम यादव का सांप के काटने से 09 जून 2024 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वारिस उनके पत्नी लीलावती हेतु 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 16, 17 एवं 18 को

जशपुरनगर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर के द्वारा 16, 17 एवं 18 मार्च 2026 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय, 17 मार्च को आईटीआई कुनकुरी एवं 18 मार्च आईटीआई पत्थलगांव में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजित होगें। प्लेसमेंट कैम्प में श्रमिन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड नोएडा संस्था के द्वारा विद्युत मीटर तकनीशियन की रिक्तियां प्राप्त हुई है। आवेदक का कार्यस्थल जशपुर, कुनकुरी एवं पत्थलगांव है। निर्धारित तिथि को प्रातः 11.30 बजे से आवेदक समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड के साथ निर्धारित स्थान में आकर प्लेसमेंट कैम्प में भाग ले सकते है।

स्वरोजगार से सशक्त हो रही ग्रामीण महिलाएं

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की महिलाएं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर हो रही हैं। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में जिले के दुलदुला विकासखंड की ग्राम दुलदुला निवासी रश्मि तिर्की भी आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई हैं। श्रीमती रश्मि तिर्की दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि अपने आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान को भी नई दिशा दी है। आज वे अपने गांव में 'लखपति दीदी' के रूप में जानी जाती हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। श्रीमती तिर्की बताती हैं कि पहले वे घर-गृहस्थी के कामकाज तक ही सीमित थीं।

तस्करी रोकने बेने में चौथा बेरियर लगाने की तैयारी

बादलखोल अभयारण्य में अवैध कटाई और शिकार के मामलों ने बढ़ाई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

सरगुजा एलिफेंट रिजर्व के अंतर्गत आने वाला बादलखोल अभयारण्य एक समय अपनी घनी हरियाली, दुर्लभ वन्यजीवों और शांत प्राकृतिक वातावरण के लिए दूर-दूर तक जाना जाता था। पहाड़ों और साल के घने वनों से घिरा यह क्षेत्र आज भी प्राकृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन बीते कुछ वर्षों से यहां अवैध लकड़ी कटाई, वन्यजीवों के शिकार और लकड़ी तस्करी की गतिविधियों को लेकर विभाग की चिंता बढ़ती जा रही है।

वन विभाग इन गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग ने पहले तीन स्थानों पर बेरियर स्थापित किए थे और अब चौथा बेरियर लगाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि यदि निगरानी व्यवस्था मजबूत नहीं की गई तो केवल बेरियर लगाने से स्थिति में कोई सुधार नहीं आएगा।

ग्रामीण बोले, रात में खुला रहेगा रास्ता तो कैसे रुकेगी तस्करी

रात के समय होती है ज्यादा तस्करी

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध लकड़ी कटाई और वन्यजीवों के शिकार की अधिकांश घटनाएं रात के समय ही होती हैं। ऐसे में यदि बेरियर रात में खुले रहते हैं तो उनका कोई विशेष लाभ नहीं मिल पाएगा।विभाग को सही मायने में तस्करी पर अंकुश लगाना है तो सभी बैरियरों में रात को भी डियूटी लगानी होगी । लोगों का मानना है कि यदि बेने में बनने वाले नए बेरियर की भी यही स्थिति रही तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। दिन के समय तो वाहनों की एंट्री दर्ज हो जाएगी, लेकिन यदि रात में बेरियर खुला रहेगा तो तस्करी और अवैध गतिविधियों को रोकना मुश्किल होगा।

बच्छरांव से कई दिशाओं में निकलते हैं रास्ते: बच्छरांव से एक मार्ग झरगांव की ओर तथा दूसरा मार्ग मटासी होते हुए नारायणपुर की ओर जाता है। बताया जाता है कि इन मार्गों का उपयोग भी लकड़ी की अवैध तस्करी के लिए किया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन रास्तों पर निगरानी के अभाव में तस्कर आसानी से जंगल से लकड़ी बाहर निकाल लेते हैं।

जंगल बचाने के लिए जरूरी है सतर्कता: बादलखोल अभयारण्य केवल वन विभाग ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की प्राकृतिक धरोहर है। यहां के घने साल वन, पहाड़ और वन्यजीव इस इलाके के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ऐसे में जरूरत इस बात की है कि वन विभाग और स्थानीय समुदाय मिलकर इस जंगल की सुरक्षा के लिए गंभीर प्रयास करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी बादलखोल की हरियाली और जैव विविधता का लाभ उठा सकें।

पहाड़ी और साल वनों की समृद्धि

बादलखोल अभयारण्य ईब और डोड़की नदियों के किनारे फैले साल वनों से घिरा एक महत्वपूर्ण पहाड़ी पारिस्थितिक तंत्र है। यहां की जलवायु और जैव विविधता इसे पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है।एक समय यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर और कई दुर्लभ पक्षियों की भरपूर मौजूदगी हुआ करती थी। जंगल की शांति और प्राकृतिक संतुलन के कारण यह क्षेत्र वन्यजीवों के लिए सुरक्षित आश्रय माना जाता था।

अब नहीं दिखते बाघ

हालांकि वर्तमान समय में बाघ जैसे बड़े वन्यजीव अब इस क्षेत्र में दिखाई नहीं देते, लेकिन कोटरी, हाथी, तेंदुआ, जंगली सुअर और अन्य वन्य प्राणियों की मौजूदगी अभी भी यहां देखी जाती है। इसके अलावा कई प्रकार के पक्षी और छोटे वन्य जीव भी इस क्षेत्र की जैव विविधता को बनाए हुए हैं।

1975 में मिला अभयारण्य का दर्जा

जानकारी के अनुसार बादलखोल अभयारण्य का रेंज कार्यालय नारायणपुर में स्थित है। इस अभयारण्य को वर्ष 1975 में आधिकारिक स्वीकृति मिली थी। इससे पहले यह क्षेत्र सामान्य वन क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। स्थानीय लोगों के अनुसार पुराने समय में यह इलाका राजा-महाराजाओं का प्रमुख शिकारगाह हुआ करता था। उस दौर में यहां के जंगल इतने घने हुआ करते थे कि दिन के समय भी जंगल के अंदर अंधेरा जैसा वातावरण रहता था। कहा जाता है कि पेड़ों की घनी छाया के कारण सूर्य की किरणें भी धरती तक नहीं पहुंच पाती थीं।इसी घनेपन और बादलों जैसी छाया के कारण इस क्षेत्र का नाम "बादलखोल" पड़ गया, जो आज भी इस जंगल की पहचान बनी हुई है।

तस्करी रोकने के लिए लगाए गए बेरियर

इन्हीं गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से वन विभाग ने पहले तीन स्थानों पर बेरियर लगा चुका है। इनमें एक बेंद सर्किल में और दूसरा साहीडाँड़ सर्किल में तीसरा डूमरपानी मे स्थापित किया गया है। अब विभाग द्वारा चौथा बेरियर नारायणपुर सर्किल के बेने क्षेत्र में लगाने की तैयारी की जा रही है। हाल ही में सरगुजा एलिफेंट रिजर्व के उपनिदेशक श्रीनिवास तनेटि स्वयं मौके पर पहुंचे और प्रस्तावित स्थान का निरीक्षण कर अधिकारियों को यहां बेरियर लगाने के निर्देश दिए। विभागीय सूत्रों के अनुसार इस बेरियर के निर्माण का उद्देश्य वन क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी बढ़ाना और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण करना है।

जादू-टोना के शक में महिला की निर्मम हत्या

जशपुरनगर। जिले के सन्ना थाना क्षेत्र के ग्राम गट्टी महुआ में अंधविश्वास की भयावह घटना सामने आई है। यहां जादू-टोना के शक में एक 48 वर्षीय महिला की बेहद निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। आरोपियों ने महिला के गुप्तांग में लकड़ी का डंडा डालकर उसकी जान ले ली। पुलिस ने इस जघन्य अपराध में मृतका के पति समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में प्रयुक्त डंडा भी बरामद कर लिया है।

- पति समेत चार आरोपियों ने मिलकर की वारदात

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान गोईदी बाई उम्र 48 वर्ष, पति ठूपन राम, निवासी गट्टी महुआ के रूप में हुई है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों में ठूपन राम उम्र 45 वर्ष, फुला बाई उम्र 48 वर्ष, सुनील राम उम्र 23 वर्ष और सुरन्ती बाई उम्र 22 वर्ष शामिल हैं। चारों के खिलाफ थाना सन्ना में बीएनएस की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया गया कि 6 मार्च 2026 को मृतका के भाई सहलू राम उम्र 30 वर्ष ने थाना सन्ना पहुंचकर सूचना दी कि उसकी बड़ी बहन गोईदी बाई अपने घर में मृत अवस्था में पड़ी है।

अंधविश्वास बनी हत्या की वजह

पुलिस विवेचना और पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी फुला बाई, जो मृतका की सौतन है, ने बताया कि 5 मार्च की दोपहर करीब 2 बजे उसका और गोईदी बाई का घर में विवाद हुआ था। विवाद के बाद फुला बाई और उसका पति ठूपन राम खेत की ओर चले गए, जहां सुनील राम और उसकी पत्नी सुरन्ती बाई झोपड़ी में बैठे थे।कुछ देर बाद गोईदी बाई भी बर्तन धोने के लिए उसी दिशा में जा रही थी। इसी दौरान ठूपन राम उसे बहला-फुसलाकर झोपड़ी में ले गया। वहां चारों आरोपियों ने बैठकर हड़िया पी। इसी दौरान आरोपी सुनील राम ने आरोप लगाया कि उसके घर में बच्चा नहीं होने और उसके पिता को कैंसर होने के पीछे गोईदी बाई का जादू-टोना जिम्मेदार है।

पकड़कर रखा फिर की हत्या

अंधविश्वास के इसी शक में सुनील राम ने मृतका के बाल पकड़कर उसे जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ठूपन राम और फुला बाई ने उसके हाथ-पैर पकड़ लिए। वहीं सुरन्ती बाई ने कहा कि उसके बच्चा नहीं होने की वजह भी गोईदी बाई ही है। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को घर लाकर बिस्तर पर रखा और ऊपर कंबल डाल दिया, ताकि मामला सामान्य मौत लगे।

छत्तीसगढ़ बन रहा नशे का अड्डाः मिंज

जशपुरनगर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक यूडी मिंज ने दुर्ग जिले के समोदा गांव में लगभग 9.5 एकड़ में अवैध अफीम की खेती का मामला सामने आने को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। श्री मिंज ने कहा कि इस मामले में भाजपा किसान मोर्चा से जुड़े नेता विनायक ताम्रकार का नाम सामने आना यह साबित करता है कि भाजपा सरकार के संरक्षण में प्रदेश में नशे का कारोबार पनप रहा है। यदि सत्ताधारी दल से जुड़े लोग ही इस तरह के अवैध कारोबार में शामिल पाए जाते हैं तो यह सरकार की नीयत और प्रशासन दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार प्रदेश को नशामुक्त बनाने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर भाजपा से जुड़े नेताओं के खेतों में अफीम की खेती पकड़ी जा रही है और सरकार गांव-गांव में नई शराब दुकानें खोलने का निर्णय ले रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यूडी मिंज ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने में असफल भाजपा सरकार अब प्रदेश को नशे की गिरफ्त में धकेलने का काम कर रही है। यह केवल एक आपराधिक मामला नहीं बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने मांग की कि दुर्ग जिले के समोदा में अवैध अफीम खेती के पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए और चाहे वह कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो, दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

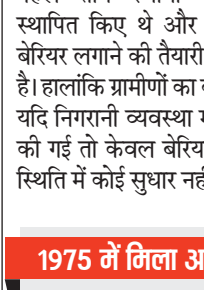

भारत की जीत के जश्न में डूबे बरमकेला के क्रिकेट प्रेमी, देर रात तक करते रहे आतिशबाजी

बरमकेला। क्रिकेट प्रेमियों के लिए रविवार की रात बरमकेला में किसी उत्सव से कम नहीं रही। नगर में टी 20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले का लाइव प्रसारण बड़े पर्दे पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एकत्र होकर मैच का रोमांचक आनंद लेते नजर आए। खुले आसमान के नीचे विशाल स्क्रीन लगाकर किए गए इस आयोजन में नगर के विभिन्न वार्डों से लोग परिवार सहित पहुंचे और पूरे जोश के साथ भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाया।

मैच शुरू होते ही माहौल पूरी तरह क्रिकेटमय हो गया। चौके.छक्कों और शानदार गेंदबाजी पर दर्शकों की तालियों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठता था। युवाओं के साथ साथ बुजुर्ग और बच्चे भी मैच के हर पल का आनंद लेते दिखाई दिए। बड़े पर्दे पर लाइव प्रसारण के कारण ऐसा लग रहा था मानो पूरा बरमकेला किसी बड़े स्टेडियम में बैठकर मैच देख रहा हो। इस रोमांचक टी 20 फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रनों के विशाल अंतर से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। भारतीय टीम की इस शानदार जीत के साथ ही बरमकेला में मौजूद दर्शकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी और भारत माता के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। भारत की जीत के बाद नगर में जमकर आतिशबाजी की गई। आसमान में रंग बिरंगी आतिशबाजी से पूरा क्षेत्र रोशनी से

जगमगा उठा। बच्चों और युवाओं में क्रिकेट के प्रति विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस सफल आयोजन में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोहर नायक, उपाध्यक्ष राजू नायक, मुकेश नायक, सार्वजनिक सांस्कृतिक समिति एवं समस्त नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि नगर में इस तरह के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि लोगों को एक साथ जुड़ने और खुशी के पल साझा करने का अवसर मिलता रहे।

सरपंचों का दल धमतरी दुर्ग जिले के लिए रवाना

जशपुरनगर। सफल ग्राम पंचायतों के कार्यों, नवाचारों तथा विकास गतिविधियों का अध्ययन करने के उद्देश्य से जशपुर जिले से सरपंचों का एक अध्ययन भ्रमण दल 09 मार्च से 12 मार्च तक धमतरी एवं दुर्ग जिले के ग्राम पंचायतों के भ्रमण के लिए आज रवाना हुए। इस दल में कुल 40 प्रतिभागी सरपंच शामिल हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने अध्ययन भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से सरपंचों को अन्य ग्राम पंचायतों में किए जा रहे नवाचारों, विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त होती है, जिससे वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में भी बेहतर योजनाएं लागू कर सकते हैं। अध्ययन भ्रमण के दौरान सरपंचों का दल धमतरी जिले के सांकरा तथा दुर्ग जिले के पतोरा ग्राम पंचायत का भ्रमण करेगा। यहां वे संचालित विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों, नवाचारों और उत्कृष्ट पहल का अवलोकन करेंगे। इस अध्ययन के माध्यम से प्राप्त अनुभवों का उपयोग सरपंच अपने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं सु व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में करेंगे।

कांसाबेल महाविद्यालय में रूसा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

नवीन शासकीय महाविद्यालय कांसाबेल में रूसा द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "भारतीय ज्ञान परंपरा कल, आज और कल" रखा गया, जिसमें भारतीय ज्ञान की समृद्ध परंपरा, उसके ऐतिहासिक स्वरूप, वर्तमान प्रासंगिकता तथा भविष्य की संभावनाओं पर व्यापक विमर्श किया गया।

- देश के विभिन्न राज्यों से 263 प्रतिभागी जुड़े

इस अकादमिक आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, शोधार्थी तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से कुल 263 प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जिनमें 75 से अधिक शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सालिक साय, जिला पंचायत जशपुर रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और विश्व को दिशा देने वाली रही है। हमारे ऋषि-मुनियों ने जीवन के विभिन्न आयामों

दर्शन, विज्ञान, चिकित्सा, समाज और संस्कृति पर गहन अध्ययन कर जो ज्ञान दिया है, वह आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है बल्कि यह हमारे जीवन-मूल्यों, व्यवहार और सामाजिक व्यवस्था में भी परिलक्षित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा को समझें, उसका अध्ययन करें और उसे आधुनिक संदर्भों से जोड़कर समाज के विकास में योगदान दें। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. गोवर्धन व्यास, शासकीय जे.योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर, ने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा भी है। वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, गणित, खगोल विज्ञान और योग जैसी प्राचीन ज्ञान प्रणालियां आज भी विश्व में अध्ययन और अनुसंधान का महत्वपूर्ण विषय बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन परंपराओं का आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाए तो यह मानव समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रो.रविन्द्र ब्राह्मे (पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) ने भारतीय ज्ञान परंपरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके दार्शनिक आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं बल्कि मनुष्य को जीवन के उच्चतम मूल्यों तक पहुंचाना है। डॉ.रामानुज प्रताप ध्रुव (शासकीय महाविद्यालय कुनकुरी) ने अपने व्याख्यान में लोक संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा के परस्पर संबंधों पर चर्चा की। डॉ.शशि मार्कण्डेय (शासकीय महाविद्यालय पत्थलगांव) ने भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के संबंधों पर विचार डॉ. अमरेन्द्र सिंह, प्राचार्य, शासकीय एनईएस महाविद्यालय जशपुर ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित नैतिक मूल्य और जीवन दृष्टि आज के समाज में अत्यंत प्रासंगिक हैं। डॉ. किशोर मिंज (कुनकुरी) ने भारतीय ज्ञान परंपरा के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कुसुम माधुरी टोप्पो ने की। संगोष्ठी में मनोरा महाविद्यालय के प्राचार्य एसपी भगत भी उपस्थित रहे। संगोष्ठी में बागबहार महाविद्यालय, कुनकुरी महाविद्यालय तथा सरगुजा विश्वविद्यालय से जुड़े शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विषयों पर शोधार्थियों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

विकासखंड स्तरीय सुशासन शिविर 27 तक

जशपुरनगर। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने सोमवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर मुख्यमंत्री जनदर्शन और मुख्यमंत्री जी घोषणा के कार्यों की प्रगति, कलेक्टर जनदर्शन के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों को लंबित आवेदनों का निराकरण गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कांसाबेल विकासखण्ड में शासन के विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन एवं विभागों की संतृप्तिकरण हेतु कांसाबेल कलस्टर के ग्राम पंचायत कोडलिया, जुमईकेला, केनाडांड़, बांसबहार और खारपानी में सुशासन शिविर का आयोजन क्रमशः 12 मार्च, 13 मार्च, 16 मार्च, एवं 19 मार्च 2026 को किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि सुशासन शिविर हेतु अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जशपुर श्रीमती प्रियंका रानी गुप्ता को नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं।

ओडिशा से पंजाब भेजी जा रही 146 किलो गांजा खेप पकड़ी गई

सुंदरगढ़। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए करीब 146 किलो से अधिक गांजा जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये बताई जा रही है।

8 मार्च की सुबह एक फुल बॉडी ट्रक क्रमांक पीबी 13 एडब्ल्यू 3870 में भारी मात्रा में अवैध गांजा संबलपुर से राउरकेला की ओर लाया जा रहा था। टाउन थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बीजू एक्सप्रेसवे पर सुषिला मोटर्स के पास नाका चेकिंग शुरू की। चेकिंग के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में ट्रक से काजू के छिलकों के नीचे छिपाकर रखे गए 8 बैग में कुल 146 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से दो व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिन्होंने स्वीकार किया कि गांजा बौध क्षेत्र से लोड किया गया था और उसे ऊंचे दाम पर बेचने के लिए पंजाब के लुधियाना ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी अजय कुमार पिता हीरा लाल, मकान संख्या 621, छाजू माजरी, राजपुरा, जिला पटियाला पंजाब ट्रक चालक, वीरेंद्र पाल 38, पिता अमरजीत सिंह, कुनाल कॉलोनी, 33 फीट रोड, मुंडिया, जिला लुधियाना पंजाब, जब्त सामग्री 8 बैग अवैध गांजा – कुल वजन 146 किलोग्राम 300 ग्राम, एक ट्रक पंजीकरण संख्या पीबी 13 एडब्ल्यू 3870, ट्रक में लदे काजू के छिलके पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पतंजलि महिला योग समिति ने किया महिला दिवस का आयोजन

राउरकेला। सुंदरगढ़ जिला पतंजलि महिला योग समिति के तत्वावधान में राउरकेला के सेक्टर 20 कम्युनिटी सेंटर परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला प्रभारी नितंबिनी स्वाईं ने कीए जबकि राज्य महिला प्रभारी जे गिरिजा देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर वैदिक रीति रिवाजों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत विष्णुप्रिया दास, निरुपमा नायक और संध्यारानी पत्री द्वारा स्वागत वंदना से हुई। इस अवसर पर जे गिरिजा देवी ने महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सनातन परंपरा में देवी को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है और समाज में महिलाओं की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने नारी सशक्तिकरण के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

अल्लू अर्जुन की सिक्योरिटी ने जूनियर एनटीआर के बॉडी डबल को दिया धक्का

मुंबई। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी के रिसेप्शन का एक वायरल वीडियो चर्चा में है। इसमें अल्लू अर्जुन के साथ आए सिक्योरिटी वालों को भीड़ में एक आदमी को धक्का देते हुए देखा गया। बाद में उस आदमी की पहचान ईश्वर हैरिस के तौर पर हुई। हैरिस को इंडस्ट्री में जूनियर एनटीआर का बॉडी डबल माना जाता है। हैरिस ने सोशल मीडिया पर लिखा 'हम उसी समय अंदर जा रहे थे, जब अल्लू अर्जुन अ 'दर आ रहे थे। जब वह तस्वीरें क्लिक करने के लिए स्टेज के पास आ रहे थे, तो उनके बाउंसरों को लगा कि मैं उनके पास फोंटो लेने आ रहा हूं या कैमरा ब्लॉक कर सकता हूं। इसलिए उन्होंने मुझे रोक दिया।'

लाइफ Style

प्रियंका

खुद को फैशन गर्ल नहीं मानती थीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हाल ही में गोइंग रोग पॉडकास्ट में प्रियंका ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि वह बचपन में खुद को फैशन गर्ल नहीं मानती थीं, लेकिन उन्हें अपनी स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद था।

प्रियंका ने बताया कि 90 के दशक में स्कूल के दिनों में उनका लुक काफी ट्रेंडी हुआ करता था-फ्लेयर्ड जींस, क्रॉप टॉप और बेली बटन पियर्सिंग। उसी दौरान एक बार उनका पियर्सिंग बंद हो गया, तो उन्होंने उसे दोबारा खुद ही कर लिया। प्रियंका ने हंसते हुए कहा, 'मैंने एक बार कैब के पीछे बैठकर अपना बेली बटन फिर से पियर्स कर लिया था। उस समय हम 90s में यही सब करते थे।'उन्होंने यह भी बताया कि उस समय उन्हें फैशन की ज्यादा समझ नहीं थी, लेकिन उन्हें यह पता था कि किस तरह के कपड़े और स्टाइल उन पर अच्छे लगते हैं।

प्रियंका ने अपने मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड के दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि जब वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में गईं तो उन्होंने पहले कभी मॉडलिंग नहीं की थी, इसलिए शुरुआत में सब कुछ उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। यह 7 अप्रैल, 2027 को रिलीज होने वाली है। वह वेब सीरीज 'सिटाडेल 2' में भी नजर आने वाली हैं।

हॉलीवुड मसाला

जेफ के लिए पूरी दुनिया थीं स्टेफनी

लॉस एंजिल्स। यूट्यूब पर जेफ निपर्ड अपनी फिटनेस वीडियो के लिए मशहूर रहे, उनके मिलियन में फॉलोअर्स हैं। हाल ही में जेफ निपर्ड की मंगेतर डॉ. स्टेफनी बटरमोर का निधन हो गया है। जेफ गहरे सदमे में हैं। जैसा कि आप में से कई लोग जानते हैं, स्टेफनी जेफ के लिए पूरी दुनिया थीं। स्टेफनी को उनके प्यार और दयालु व्यवहार के लिए याद किया जाएगा। वह ओवेरियन कैंसर पर PhD रिसर्च कर रही थीं, इसके लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। हम आपसे जेफ की प्राइवेसी को बरकरार रखने की उम्मीद करते हैं।

पीटर जैक्सन पाम डी ओर से होंगे सम्मानित

लॉस एंजिल्स। न्यूजीलैंड के प्रशंसित फिल्म निर्माता-निर्देशक और स्क्रिप्ट राइटर पीटर जैक्सन को 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में पाम डी'ओर से सम्मानित किया जाएगा। ऑस्कर विजेता पीटर जैक्सन को 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' को बड़े पर्दे पर लाने के लिए जाना जाता है। पाम डी'ओर से सम्मानित होने के साथ ही वो इससे सम्मानित हस्तियों की सूची में शामिल होंगे, जिनमें एग्नेस वर्दा, मार्को बेलोचियो, जोडी फोस्टर, मेरिल स्ट्रीप और पिछले साल के विजेता रॉबर्ट डी नीरो शामिल हैं। पीटर जैक्सन को यह सम्मान 12 से 23 मई तक चलने वाले 79वें कान फिल्म महोत्सव में प्रदान किया जाएगा। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पीटर जैक्सन ने इसे अपने कॅरियर के सबसे यादगार पलों में से एक बताया। निर्देशक ने कहा, 'कान में मानद पाम डी'ओर से सम्मानित होना मेरे करियर के सबसे बड़े सौभाग्य में से एक है।

सलमान की हीरोइन बनेंगी नयनतारा

मुंबई। सलमान खान अब साउथ की सुपरस्टार नयनतारा के साथ स्क्रीन शेयर कर सकते हैं। हाल में खबर सामने आ रही है कि डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली के साथ बन रही फिल्म में ये जोड़ी नजर आने वाली है। बॉलीवुड एक्टर सिकंदर जैसी फिल्म के बाद एक बड़ी हिट की तलाश में हैं। बैटल ऑफ गलवान के अलावा कई अन्य प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा उनके पास कई बड़ी फिल्मों की स्क्रिप्ट हैं। इसमें से एक साउथ डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली की अगली बड़े स्केल की फिल्म है। रिपोर्ट की माने तो वामशी सलमान के साथ एक बड़ी एंटरटेनर फिल्म बना रहे हैं जिसकी हीरोइन नयनतारा हो सकती हैं। सलमान और नयनतारा की जोड़ी फैंस को पसंद आने वाली है। साल 2023 में आई फिल्म जवान में नयनतारा को शाहरुख खान के साथ रोमांस करते हुए देखा था।

शेरनियों के बिना सिंघम कुछ नहीं: अजय

मुंबई। अजय देवगन ने अपने जीवन की महिलाओं के लिए एक इमोशनल पोस्ट शेयर करके सोशल मीडिया पर सबका दिल जीत लिया। एक्टर ने अपनी पत्नी काजोल, बेटी नीसा देवगन, सासु मां तनुजा और परिवार के बाकी सदस्यों की कुछ खास तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें अपनी 'शेरनियां' बताया। उनके कैप्शन में लिखा था, 'यह सिंघम अपनी शेरनियों के बिना कुछ भी नहीं है,' इस एक लाइन पर ही उनके चाहने वाले फिदा हो गए हैं। पहली तस्वीर में काजोल, तनीषा मुखर्जी, तनुजा और अजय की मां वीना देवगन के साथ एक प्यारा फैमिली मोमेंट दिखाया गया है। सभी महिलाएं सजी-धजी कैमरे के सामने पोज दे रही हैं, जिनमें प्यार प्यार दिख रहा है। यह तस्वीर परिवार की पीढ़ियों के बीच मजबूत बंधन को दिखाती है।

टीवी मसाला

एल्विश ने जिया शंकर को रोमांटिक अंदाज में किया प्रपोज

नई दिल्ली। एल्विश यादव और जिया शंकर की सगाई और शादी की खबरें पिछले काफी वक्त से चर्चा में बनी हुई है। लेकिन अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि एल्विश ने जिया को प्रपोज किया है। एल्विश के प्रपोजल को जिया ने एक्सेप्ट भी कर लिया है। लेकिन क्या यह सच है? क्योंकि जिया ने पहले बताया था कि उनका एक बॉयफ्रेंड है। तो अब क्या चल रहा है? दरअसल, रियलिटी शो एंगेज्ड सीजन 2 के हालिया एपिसोड में एल्विश ने एक घुटने पर बैठकर, हाथ में लाल गुलाब लेकर जिया को प्रपोज किया। एल्विश ने जिया से पूछा, 'क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' इस पर जिया ने जवाब दिया, 'मैं तुमसे प्यार करती हूं और तुमसे शादी करूंगी।'दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद कई फैंस दोनों को बधाई भी दे रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यह प्रस्ताव शो के लिए रचा गया था। कहानी में आगे क्या होता है, यह जानने के लिए दर्शकों को आगामी एपिसोड का इंतजार करना होगा। इससे पहले फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में जिया शंकर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बात की थी। हालांकि, उन्होंने उसका नाम नहीं बताया था। एल्विश के साथ अपनी सगाई की प्रमोशनल पोस्ट से मचे बवाल पर टिप्पणी करते हुए जिया ने कहा था कि उनके परिवार और उनके बॉयफ्रेंड के परिवार दोनों को इस दृश्य की जानकारी थी। इसलिए किसी को आश्चर्य नहीं हुआ।

पोद्दार हाउस में अभिरा की होगी वापसी

नई दिल्ली। स्टार प्लस के पॉपुलर शो में से एक माना जाने वाला ये रिश्ता क्या कहलाता है में अब तक का सबसे बड़ा धमाका होने वाला है. फैंस को शो में इस ट्रैक का काफी दिनों से इंतजार था. ये रिश्ता के लेटेस्ट एपिसोड में देखने को मिला था कि अस्पताल के बेड पर बड़ी दादी सा ने अभिरा से घर वापसी की बात कही थी। दादी सा ने कहा था कि अभिरा के बिना परिवार एकदम अधूरा है. कावेरी पोद्दार की ये सारी बातें अभिरा चुपचाप सुन लेती है. दादी सा अपनी आखिरी इच्छा जाहिर करते हुए कहती हैं कि लड़की वापस आ जा, यही मेरी आखिरी इच्छा है. शो के अपकमिंग एपिसोड में देखने को मिलेगा कि अभिरा ना सिर्फ पोद्दार हाउस में वापस आएगी। बल्कि, अपने स्वैग से अरमान और विद्या के भी होश उड़ा देगी. शो का जो लेटेस्ट प्रोमो सामने आया है उसमें देखने को मिला कि दादी सा अब घर आ चुकी हैं. ऐसे में पोद्दार परिवार के लोग उनके स्वागत में लग जाते हैं। वहीं, अरमान अपनी दादी की आरती उतारता है।

ऐश्वर्या और अभिषेक ने 'सलाम-ए-इश्क' गाने पर नीता अंबानी संग किया डांस

मुंबई। ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और नीता अंबानी का एक वीडियो इंटरनेट पर हर किसी का दिल जीत रहा है। तीनों एक साथ शादी में डांस कर रहे हैं। फैंस के लिए ये पल बेहद खास है। सलमान के गाने 'सलाम-ए-इश्क' पर तीनों ने जमकर अपने पैर थिरकाए। ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और नीता अंबानी ने एक साथ मिलकर खूब डांस किया है। जी हां, तीनों के डांस के वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो को देखकर लगता है कि यही आज का सबसे चर्चित विषय है। मुदित अडानी और अनन्या दीवानजी की शादी में नीता, ऐश्वर्या और अभिषेक के साथ मंच पर आईं और उन्होंने एक यादगार डांस परफॉर्मेंस दी, जिसने सभी लोगों और बाद में इंटरनेट यूजर्स का भी दिल जीत लिया। वीडियो में, तीनों फेमस गाने 'सलाम-ए-इश्क' पर नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

नई दिल्ली। 'तू खुद की खोज में निकल, तू किस लिए हताश है, तू चल तेरे वजूद की, समय को भी तलाश है।' तापसी पन्नू अभिनीत फिल्म पिंक में तनवीर गाजी की लिखी ये पंक्तियां महिला सशक्तीकरण की राह आम स्त्रियों को दिखाती है। इसी तरह कई महिला केंद्रित फिल्मों के संवाद भी महिलाओं को प्रेरित करते हैं, उनकी शक्ति और क्षमता का परिचय दुनिया को करवाते हैं।

डायलॉग्स ने किया प्रेरित, बड़े पर्दे पर संवाद बने महिला शक्ति का प्रतीक

पिंक ने समझाया ना का असल मतलब : साल 2016 में रिलीज हुई तापसी पन्नू स्टारर फिल्म पिंक को अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने निर्देशित किया था। फिल्म का सबसे सशक्त संवाद 'ना का मतलब ना होता है' रहा। यह डायलॉग बताता है कि एक महिला की अस्वीकृति का सम्मान किया जाना चाहिए।

गुंजन सक्सेना ने सपनों को दी उड़ान : साल 2020 में रिलीज हुई जान्हवी कपूर की फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' में एक लड़की के एयरफोर्स ऑफिसर बनने की कहानी थी। फिल्म में का यह संवाद दुनिया से लड़कर अपने सपनों को पूरा करनी की उम्मीद देता है। एक स्त्री को उसकी क्षमता से वाकिफ करता है।

दंगल ने दी लैंगिक समानता की सीख : साल 2016 में रिलीज हुई आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में एक पिता अपनी

बेटियों को रेसलर बनाता है। दुनिया को बताता है कि गोल्ड मेडल लड़का लाए या लड़की, मेडल तो मेडल होता है। यह फिल्म अपने इसी चर्चित संवाद के जरिए सहजता से लैंगिक समानता की सीख दर्शकों को देती है।

कभी हार ना मनाने का संदेश देती गंगूबाई काठियावाड़ी : संजय लीला भंसाली निर्देशित फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी(2022)' एक वेश्या की कहानी जरूरी थी। लेकिन इस कहानी में एक स्त्री के कभी ना हार माने की क्षमता को भी बखूबी दिखाया गया। फिल्म पुरुषों को उनका कुरूप चेहरा भी दिखाती है। इस फिल्म के कई डायलॉग मशहूर हुए, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चित यही डायलॉग रहा है।

थप्पड़ फिल्म ने समझाया स्वाभिमान का महत्व : साल 2020 में रिलीज फिल्म थप्पड़ में तापसी पन्नू के किरदार ने घरेलु हिंसा के खिलाफ मुखरता से आवाज उठाई। अनुराग सिन्हा निर्देशित इस फिल्म का यह डायलॉग एक स्त्री को उसके स्वाभिमान के प्रति जागरुक करने का काम करता है।

लापता लेडीज ने खुद से रूबरू होने की अहमियत बताई : *साल 2023 में किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' महिलाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों को उठाती है। साथ ही महिलाओं अपने लिए जीने की सीख भी देती है। फिल्म का यह एक डायलॉग महिला सशक्तिकरण की बात को बहुत ही सहज और सरल ढंग से कहता है।*

मैरी कॉम ने ताकत पर भरोसा करना सिखाया : *ओमांग कुमार निर्देशित फिल्म 'मैरी कॉम'बॉक्सिंग चैंपियन मैरी कॉम की बायोपिक थी। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने मैरी कॉम के संघर्ष और बॉक्सिंग चैंपियन बनने की कहानी को बहुत ही बेहतरीन तरीके से पर्दे पर उतारा। फिल्म के कई डायलॉग फेमस हुए लेकिन यह डायलॉग हर महिलाओं को बताता है कि उनके अंदर एक चैंपियन है, जिसे कभी भूल नहीं चाहिए।*

बॉलीवुड हो या दर्शक इन पर कहीं ना कहीं आज भी हावी है पितृसत्तात्मक सोच

दमदार कहानी के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर कमजोर पड़ीं महिला केंद्रित फिल्में

नई दिल्ली। आधी आबादी की उपलब्धियों पर गर्व किया जाता है। देश, समाज में दिए गए योगदान को सराहा जाता है। मगर बात जब सिनेमा की आती है तो निराशा हाथ लगती है। आज भी महिला केंद्रित फिल्में अपने वजूद के लिए संघर्ष कर रही हैं। इस संघर्ष के पीछे कई कारण मौजूद हैं। 'पुरुषों की दुनिया में आगे बढ़ने वाली महिला खास होती है' अमेरिकन सिंगर रिहाना का कहा गया यह कथन हिंदी सिनेमा में अब तक सच नहीं हुआ। 21वीं सदी में आकर भी दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनाने वाले बॉलीवुड में महिला केंद्रित कहानी अपने लिए जगह बनाने की कोशिश में लगी हैं। तमाम कोशिशों के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्में सफलता से कोसों दूर हैं। ऐसा नहीं है कि महिला कलाकार या निर्देशक सार्थक प्रयास नहीं कर रहे हैं।

अस्सी और मर्दानी 3 की पहल गई बेकार

इस साल अब तक दो महिला केंद्रित हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, तापसी पन्नू की 'अस्सी'और रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3'। दोनों ही फिल्मों में महिलाओं से जुड़े संवेदनशील विषय को उठाया गया है। फिल्म 'अस्सी'दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध पर बात करती है, वहीं 'मर्दानी 3' बच्चों की तस्करी जैसा मुद्दा उठाती है। दोनों कहानियां भीतर तक झकझोरती हैं। लेकिन, इनके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को देखें तो पता चलता है कि दर्शक इनसे दूरी बनाकर चले।

कमजोर कलेक्शन ने तोड़ दी उम्मीदें

फिल्म 'अस्सी'ने रिलीज के 16वें दिन तक सिर्फ 10 करोड़ रुपये कमाए। वहीं रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' ने 37वें दिन तक 50.36 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया है। पिछले साल काजोल की फिल्म 'मां' थिएटर में रिलीज हुई। वहीं ओटीटी पर 'मिसेज' जैसी फिल्म देखने को मिली। हर साल चंद महिला केंद्रित फिल्में ही दर्शकों को देखने को मिलती हैं, ऐसे में सफलता का आंकड़ा भी सीमित है। प्रोड्यूसर अब भी वुमन सेंट्रिक फिल्मों में दावा खेलने से बचते हैं।

ये हैं प्रमुख कारण

सवाल है कि सिर्फ इस बात का अफसोस मनाया जाए कि महिला केंद्रित फिल्में दर्शकों को पसंद नहीं है तो हकीकत इसके उल्ट है। दर्शकों के लिए फिल्म सिर्फ फिल्म होती है। कंगना रनौत की फिल्म क्वीन, तनु वेड्स मनु, तापसी पन्नू की पिंक, श्रीदेवी की इंग्लिश विंग्लिश, आलिया भट्ट की राजी और गंगू बाई काठियावाड़ी और लापता लेडीज इस बात उदाहरण हैं। ये फिल्में दर्शकों को खूब पसंद आईं। अपने मैसेज को भी दर्शकों तक बखूबी पहुंचाती हैं। लेकिन, ऐसे कई कारण अब भी मौजूद हैं, जो महिला केंद्रित फिल्मों की राह को मुश्किल बनाते हैं।

फीमेल ऑडियंस का थिएटर तक ना पहुंच पाना: *आज भी आधी आबादी का एक बड़ा हिस्सा थिएटर तक पहुंच नहीं रखता है। इसके पीछे आर्थिक स्वतंत्रता की कमी एक बड़ी वजह है। महिलाओं का एक बड़ा तबका आज भी आर्थिक रूप से संपन्न होने के लिए संघर्ष कर रहा है। ऐसे में थिएटर पहुंचकर महिला केंद्रित फिल्में देखना,*

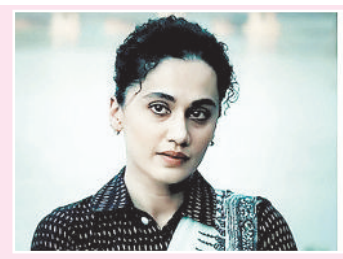

उनकी प्राथमिकताओं में शामिल नहीं हो पाया है।

महिला निर्देशकों को कमी: *सिनेमा जगत खासकर बॉलीवुड में धीरे-धीरे महिलाएं अभिनय के अलावा कई फील्ड में अपने लिए जगह बना रही हैं। कई महिला निर्देशक हमारे दौर में मौजूद हैं। लेकिन यह संख्या गिनती की है। आज भी महिला केंद्रित फिल्मों को पुरुष निर्देशक बनाते हैं। जब कोई पुरुष महिला विषय पर बात करेगा तो कहीं ना कहीं उतनी संवेदनशीलता पर्दे पर नजर नहीं आएगी जो दिखनी चाहिए। एक स्त्री की भावनाओं को एक स्त्री के नजरिए से जब निर्देशित किया जाएगा तो उसका असर गहरा होगा। गौरी शिंदे की फिल्म 'इंग्लिश विंग्लिश' और किरण राव की 'लापता लेडीज' इस बात का सफल उदाहरण हैं। दोनों फिल्मों में बहुत बारीकी और गहराई से महिलाओं की सोच और भावनाओं को व्यक्त किया गया है।*

पितृसत्तात्मक सोच का हावी होना : *बॉलीवुड हो या दर्शक इन पर कहीं ना कहीं आज भी पितृसत्तात्मक सोच हावी है। एक बड़ा पुरुष वर्ग बड़े पर्दे पर महिला केंद्रित कहानी देखकर असहज हो जाता है। दरअसल, कहानी में पुरुष समाज और पितृसत्ता की सच्चाई वह देखना नहीं चाहते हैं।*

खबर संक्षेप

सीटू ने किया एकजुटता का आह्वान

राउरकेला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज श्रमिक संगठन सीटू अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति, ओडिशा किसान सभा, जनवादी युवा फेडरेशन, एसएफआई तथा खेत मजदूर यूनियन की सुंदरगढ़ जिला कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय सेक्टर स्थित श्रमिक भवन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता जनवादी महिला समिति की सुंदरगढ़ जिला अध्यक्ष ताजमुन नेहार और सीटू के जिला उपाध्यक्ष श्रीमंत बेहरा ने की। कार्यक्रम में सीटू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्य महासचिव विष्णु महांति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि प्रख्यात चिंतक डॉ. नगेन दास मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा, स्वतंत्रता और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ एकजुट होकर व्यापक आंदोलन खड़ा करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 79 वर्ष बाद भी समाज की आधी आबादी यानी महिलाओं को समान अधिकार नहीं मिल पाए हैं। यह स्थिति हमारी सामाजिक व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती है।

स्कूटी सवार से चेन छीनकर फरार हुए लुटेरे

राउरकेला। उदित नगर थाना क्षेत्र के बासंती कॉलोनी के डीएल चौक के पास रविवार को दिन दहाड़े एक डरावना घटना घटी, जिसने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। बासंती कॉलोनी निवासी शिशिर कुमार महाराणा और संतोशिनी महिराणा स्कूटी से जा रहे थे, तभी दो शातिर अपराधियों ने उनका पीछा किया। पुलिस के अनुसार, अपराधियों ने हेलमेट पहना हुआ था और पीछे से आते हुए पीड़ित की गले की सोने की चेन झपट ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोग भी कुछ समझ पाते उससे पहले ही आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद शिशिर कुमार और संतोषिनी महिराणा ने उदित नगर थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

भारत की जीत पर राउरकेला में जश्न

राउरकेला। टी-20 विश्व कप में भारत की न्यूजीलैंड पर ऐतिहासिक और शानदार जीत के बाद पूरे देश के साथ-साथ राउरकेला शहर में भी खुशी की लहर दौड़ पड़ी। मैच खत्म होते ही शहर के विभिन्न इलाकों में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जीत का जश्न मनाया। युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों ने पटाखे फोड़े, तिरंगा लहराया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। रविवार देर रात जैसे ही भारत की जीत पक्की हुई, शहर के मुख्य चौराहों, बाजारों और कॉलोनियों में लोगों की भीड़ जमा होने लगी। कई जगहों पर युवाओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ नाच.गाकर जश्न मनाया। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। शहर के मेन रोड में लाल बिल्डिंग व मंगल भवन चौक, डेली मार्केट, होटल कैलाश पुरी, सेक्टर.19, पानपोष, उदितनगर और बिसरा चौक जैसे प्रमुख इलाकों में युवाओं की टोली तिरंगा लेकर सड़कों पर निकल आई। क्रिकेट प्रशंसकों ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि टीम ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। स्थानीय खेल प्रेमियों का कहना था कि न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ यह जीत बेहद महत्वपूर्ण है।

वेदव्यास मेला मैदान की आरएमसी ने की सफाई

राउरकेला। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित वेदव्यास मेला भले ही समाप्त हो गया हो लेकिन मेला मैदान में बड़ी मात्रा में कचरा बिखरा हुआ है। प्लास्टिक और पॉलीथिन सहित विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के कारण क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। करीब 15 दिनों तक चले इस मेले के दौरान दुकानदारों और आगंतुकों द्वारा पॉलीथिन और प्लास्टिक सामग्री का व्यापक रूप से उपयोग किया गया। मेला समाप्त होने के बाद मैदान में बड़ी मात्रा में कचरा जमा हो गया। जिसे हटाने के लिए राउरकेला नगर निगम आरएमसी ने बड़े पैमाने पर सफाई अभियान शुरू किया है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के प्रस्तावित दौरे से पहले बढ़ी चिंता

मां चंद्रहासिनी की नगरी चंद्रपुर में बढ़ी असामाजिक तत्वों की सक्रियता

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंद्रपुर

- महानदी जल विवाद के निरीक्षण के लिए न्यायाधीश का प्रस्तावित आगमन आज
- प्रशासनिक तैयारियों के बीच कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि या हुड़दंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा क्षेत्र में पुलिस की निगरानी बढ़ाई जा रही है।

सुमित गुप्ता, एसडीओपी चंद्रपुर डभरा

नगर के कुछ मोहल्ले में चिंहित हैं बदमाश

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नगर के कुछ मोहल्ले चिंहित हैं जहां असामाजिक तत्व आए दिन शरारती गतिविधियों और विवाद खड़े करने में सक्रिय दिखाई देते हैं। इन गतिविधियों के कारण क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। नगरवासियों का कहना है कि पुलिस प्रशासन को इस मामले में गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और शांति भंग करने वाले तत्वों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

नगर पंचायत चंद्रपुर में जल्द ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश का आगमन प्रस्तावित है। बताया जा रहा है कि उनका यह दौरा छत्तीसगढ़ और ओड़िशा सा सरकार के बीच चल रहे महानदी जल विवाद के निरीक्षण के सिलसिले में होगा। इस महत्वपूर्ण दौरे को लेकर जिला प्रशासनए पुलिस विभाग तथा सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जोर शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी बीच नगर में कुछ असामाजिक तत्वों की सक्रियता को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ती नजर आ रही है।

चंद्रपुर क्षेत्र में स्थित आदिशक्ति मां चंद्रहासिनी का भव्य और प्रसिद्ध मंदिर दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे धार्मिक और संवेदनशील स्थल के आसपास असामाजिक गतिविधियों की खबरें सामने आना प्रशासन के लिए भी चिंता का विषय बन सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ समय पूर्व नगर में श्रद्धालुओं के साथ विवाद और झगड़े की छुटपुट घटनाएं सामने आई थीं। वहीं 4 मार्च को होली की रात भी कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा हुड़दंग करने की घटना सामने आईए जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हुआ था। इन घटनाओं के कारण नगर में अशांति की स्थिति बनने लगी है और आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना भी देखी जा रही है।

प्राचार्य डॉ.चंद्रशेखर ने किया पदभार ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरमकेला

बरमकेला स्थित शासकीय महाविद्यालय में नए प्राचार्य अनुभवी शिक्षाविद् डॉ. चंद्रशेखर पटेल ने 6 मार्च को महाविद्यालय के प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया।

- लंबे समय से कॉलेज में बच्चों को दे रहे शिक्षा, अनुभव का मिलेगा लाभ

उनके पदभार ग्रहण करने के साथ ही महाविद्यालय परिवार, छात्र छात्राओं तथा क्षेत्र के बुद्धिजीवियों में नई उम्मीद और उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

डॉ. चंद्रशेखर पटेल लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं और उन्हें लगभग 14 वर्षों का महाविद्यालयीन शिक्षण एवं प्रशासनिक अनुभव प्राप्त है। वे इससे पूर्व महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने न केवल विषय के अध्ययन अध्यापन को मजबूत किया बल्कि विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के लिए भी तैयार किया। उनके मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विषय के कई विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की प्राविण्य सूची में लगातार स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि वे विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और बेहतर भविष्य के प्रति कितने समर्पित रहे हैं। बरमकेला जैसे अपेक्षाकृत छोटे और ग्रामीण अंचल में स्थित महाविद्यालय में सीमित संसाधनों के बावजूद डॉ. पटेल ने शिक्षा और शोध के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उनके प्रयासों से महाविद्यालय में पांच राष्ट्रीय स्तर की शोध संगोष्ठियों का सफल आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महा विद्यालयों तथा शोध संस्थानों के विद्वानों और शोधार्थियों ने भाग लिया। इन संगोष्ठियों के माध्यम से न केवल अकादमिक वातावरण मजबूत हुआ बल्कि महाविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर भी बनी। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इन सभी उपलब्धियों को हासिल करने के दौरान महाविद्यालय के पास स्वयं का स्थायी भवन भी उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद डॉ. पटेल ने अपने नेतृत्व, प्रबंधन क्षमता और सकारात्मक सोच के साथ महाविद्यालय को आगे बढ़ाने का कार्य किया। उनके इसी प्रयास और समर्पण का परिणाम रहा कि महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मूल्यांकन में बी ग्रेड प्राप्त हुआ। सीमित संसाधनों के बावजूद यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गर्व की बात मानी जाती है। डॉ. चंद्रशेखर पटेल ने विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए रोजगार उन्मुख गतिविधियों को बढ़ावा देने का भी प्रयास किया। उनके प्रयासों से महाविद्यालय में प्लेसमेंट की शुरुआत हुई, जिससे कई विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए। यह पहल ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण साबित हुई, क्योंकि इससे उन्हें अपने क्षेत्र में ही बेहतर कैरियर के अवसर मिल सके।

जपं ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

बरमकेला। रंगों और उल्लास के पर्व होली के अवसर पर जनपद पंचायत बरमकेला द्वारा शनिवार को नदिगांव गार्डन परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष, सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रंग, गुलाल और फूलों की खुशबू से वातावरण सराबोर रहा। उपस्थित सभी लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और फूलों की होली खेलते हुए आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

होली मिलन समारोह की शुरुआत जनपद पंचायत के पदाधिकारियों द्वारा की गई। जनपद

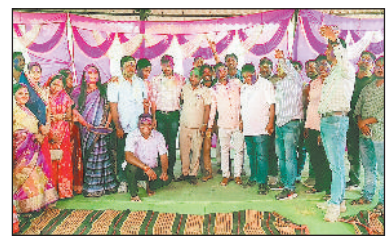

पंचायत अध्यक्ष डॉ. विद्या किशोर चौहान और अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व सदस्य पुनीत राम चौहान ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत करते हुए होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि होली भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सभी वर्गों के बीच आपसी संबंध भी मजबूत होते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी तथा मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। नदिगांव गार्डन परिसर में रंग बिरंगे गुलाल और फूलों की वर्षा के बीच सभी ने मिलकर फूलों की होली खेली। इस दौरान होली के पारंपरिक गीतों और संगीत का भी आनंद लिया गया, जिससे पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

नवीन जिंदल ने किया ओपी जिंदल स्कूल कुंजेमुरा के नए स्कूल भवन का लोकार्पण

रायगढ़। नवीन जिंदल ने ओपी जिंदल स्कूल कुंजेमुरा के नए स्कूल भवन का लोकार्पण किया। ओपी जिंदल स्कूल कुंजेमुरा क्षेत्र के विकास और शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मील का पत्थर साबित होगा। यह ईंट, पत्थर से बनी केवल एक इमारत नहीं बल्कि हमारे बच्चों के सपनों की नई उड़ान और उनके उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव हैं। जन्म दिन के मौके पर आप लोगों के बीच खुद को पाकर ऐसा महसूस हो रहा है, जैसे अपने परिवार के बीच हूं।

यह बातें सोमवार को ओपी जिंदल सुपर थर्मल पावर प्लांट के चेयरमैन और कुरूक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने ओपी जिंदल स्कूल कुंजेमुरा के नए भवन के लोकार्पण के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि खुशहाल समाज के लिए शिक्षा सबसे जरूरी है। श्री जिंदल ने कहा कि जब हमारे गांवों और आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है तभी असली बदलाव आता है। देश की उन्नति तभी सही है जब उसका लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि हर बच्चे को क्वालिटी एजुकेशन के माध्यम से इतना सक्षम बनाना है कि वे राष्ट. निर्माण में योगदान दे सकें। श्री जिंदल ने कहा कि उद्योगों की असली सफलता तभी है जब उसके आसपास का समाज भी सफल हो।

सपनों का घर और पालकों के भरोसे का प्रतीकः चेयरपर्सन- स्कूल के नए भवन का लोकार्पण जिंदल फाउंडेशन की चेयर पर्सन श्रीमती शालू जिंदल ने किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन दो वजहों से खास है एक तरफ शिक्षा के मंदिर का लोकार्पण हो रहा है तो दूसरी ओर नवीन जिंदल का जन्म दिन है। उन्होंने कहा कि ओपी जिंदल स्कूल का यह नया भवन एक इमारत ही नहीं बल्कि हजारों बच्चों के सपनों का घर नजर आता है।

महिला सशक्तिकरण का संदेश देने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रैली

चंद्रपुर। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चंद्रपुर नगर में महिलाओं द्वारा एक भव्य जागरूकता रैली और नगर भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर की महिलाओं ने एकजुट होकर महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार और समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

रैली की शुरुआत वार्ड क्रमांक 06 माली मोहल्ला से की गईए जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पूरे नगर का भ्रमण करते हुए सम्पन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इस आयोजन में नगर के विभिन्न वार्डों के पार्षदों का भी सराहनीय सहयोग मिला। नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश देवांगन द्वारा रैली की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हो सका। साथ ही रैली के दौरान पुलिस प्रशासन का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। कार्यक्रम के दौरान राज परिवार की बहुरानी भारती देवेन्द्र सिंह द्वारा महिलाओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। वहीं श्रीमती रजनी तिलेश माली उपाध्यक्ष, नगर पंचायत चन्द्रपुरद्ध ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपने प्रांगण में महिलाओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन कर पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने कहा कि विश्व महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। रैली के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला समूह के अध्यक्ष गायत्री सिंह राजपूत ने बताया कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आयुर्वेद अधिकारी संघ ने किया महिला चिकित्सकों का सम्मान

रायगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छग आयुर्वेद अधिकारी संघ के द्वारा जिला आयुर्वेद कार्यालय में विभाग में कार्यरत महिला चिकित्सा अधिकारियों का सम्मान कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला आयुष अधिकारी डॉ गौराहा ने बताया कि नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि शक्ति, साहस, प्रेम और प्रेरणा का प्रतीक है। वह जीवन की जननी है, परिवार की आधारशिला है और समाज की प्रगति की असली शक्ति है। उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष डा. कुणाल पटेल, महामंत्री डा. अजय नायक, उपाध्यक्ष डा.सक्सेना, सचिव डा. संजीव, डा. मंजरी, डा. मीरा, डा. प्रियंका, डा. रवीना, डा. विभा, डा. निकिता, डा. विजयलक्ष्मी, डा. जागृति, डा. श्वेता, डा. आस्था, डा. लता, डा. श्रद्धा, डा. श्वाती, डा. आर्ची, डा. रविशंकर, डा. सादिक, डा. विकास, डा. संतोष सहित सभी महिला चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला समारोह का आयोजन, उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

कापू। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को महिला एवं बाल विकास परियोजना कापू के तत्वावधान में एक विशाल महिला मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कापू परियोजना क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिलाओं और बालिकाओं ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे पूरा आयोजन नारी शक्ति के उत्सव में बदल गया। कार्यक्रम का शुभारंभ और अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। उपस्थित अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि दुर्गावती सिंह सभापति अशांति टंडन महिला मोर्चा एवंती राठिया अध्यक्ष महिला मोर्चा, विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में कापू मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम बिहारी शर्मा, महिला बाल विकास सभापति विनय शर्मा, मंडल कोषाध्यक्ष धरमपाल गुप्ता, अजा जिला उपाध्यक्ष सोहन टंडन, सरपंच सुमित्रा रात्रे, उपसरपंच अंजू लहरे, ममता यादव, अजा मंडल अध्यक्ष भानु टंडन, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्रवण पटेल, महामंत्री मनीष रात्रे, खुशहाली बघेल एवं परियोजना अधिकारी सुनीता खलखो सहित विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हुए सम्मानित

समारोह के दौरान कापू मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा, सभापति विनय शर्मा और मंडल कोषाध्यक्ष धरमपाल गुप्ता द्वारा क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यकर्ताओं को श्रीफल और शॉल भेंट कर उनकी सेवाओं की प्रशंसा की गई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना की।

यूपीएससी में सफलता के बाद पहली बार गृह नगर लौटे रौनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरसिया

संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता का परचम लहराने के बाद, रौनक अग्रवाल का 8 मार्च को अपने गृहनगर खरसिया पहुँचने पर भव्य स्वागत किया गया। ढोल-ताशों की गूँज और भारत माता की जय के नारों के बीच पूरा शहर अपने इस होनहार सपूत के अभिनंदन के लिए उमड़ पड़ा।

दोपहर को जैसे ही साउथ बिहार एक्सप्रेस खरसिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर रुकी, वहाँ पहले से मौजूद सैकड़ों नगरवासियों ने रौनक अग्रवाल का जोरदार स्वागत किया। रौनक के साथ उनके पिता तरुण अग्रवाल और माता ललिता अग्रवाल भी वापस लौटे। ट्रेन से उतरते ही रौनक को फूल-मालाओं से लाद दिया गया और आतिशबाजी के साथ उनकी सफलता का जश्न मनाया गया।

ढोल-ताशों और आतिशबाजी से स्वागत

स्टेशन परिसर से बाहर निकलते ही माहौल उत्सव में बदल गया। स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने ढोल-ताशों की थाप पर रौनक का स्वागत किया। बाद में हमालपारा के शीतला माता मंदिर में रौनक अग्रवाल ने पूजा अर्चना करी। इस दौरान सभी लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। नगरवासियों का कहना है कि रौनक ने अपनी कड़ी मेहनत से खरसिया का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर रौनक के पिता तरुण अग्रवाल और माता ललिता अग्रवाल का भी नागरिकों ने आदर सत्कार किया, जिनकी प्रेरणा से रौनक ने यह मुकाम हासिल किया।

अभा अघरिया समाज का हिमगिर में हुआ 29 वां वार्षिक सम्मेलन

तमनार। अखिल भारतीय अघरिया समाज क्षेत्र हिमगिर अंचल तमनार का 29 वां वार्षिक सम्मेलन 2026 बाल सभा नवाड़ीही में 8 मार्च को राष्ट्रीय महासचिव बिहारी लाल पटेल के मुख्य आतिथ्य क्षेत्रीय अध्यक्ष रामलाल पटेल के अध्यक्षता एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों सहित 6 चौधरी, 18 नायक 60 पटेल गोत्र के सैकड़ो युवा महिला व सामाजिक बंधुओ की उपस्थिति मे हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम इष्टदेव श्रीकृष्ण भगवान की पूजा अर्चना कन्हैया जय अघरिया जयघोष के साथ अतिथियों एवं केंद्रीय, क्षेत्रीय पदाधिकारीगणों का पुष्पहार गमछा से भव्य स्वागत पश्चात स्वागत किया गया। कोषाध्यक्ष पूर्ण चन्द्र नायक द्वारा सारगर्भित वार्षिक आय व्यय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि बिहारी लाल पटेल ने कहा कि समाजिक बन्धुओ संरक्षक सदस्यता बढाते, सामाजिक गतिविधियों में युवा महिलाओं की सहभागिता अवश्य कराएं। अघरिया समाज की रीति

नीति, खान पान, संस्कृति सभ्यता विशेष पहचान है। युवक युवतियों की विवाह, सामाजिक संगठन की एकता सुदृढता उत्थान एवं नियमावली का परिपालन करने आव्हान किए। क्षेत्रीय अध्यक्ष रामलाल पटेल ने महिलाओं की उपस्थिति पर महिला दिवस की बधाई देते कहा कि हर परिवार से युवा महिलाएं वरिष्ठ संरक्षक सदस्यता ग्रहण करें। सामाजिक सुदृढ़ता एकता सामाजिक विकास में योगदान देवें। सामाजिक भवन में ट्यूब वेल, नल कनेक्शन एवं बाउन्ड्रीवाल शासन के सहयोग से करने बात कही गई। उन्होंने अभिभाबको को अपने युवक युवतियों के विवाह की यथा योग्य उम्र में विवाह करने आग्रह किया गया।